भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +3063

सोमवार, 15 मार्च, 2021/24 फाल्गुन, 1942 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आंध्र प्रदेश को सहायता

+3063.श्री बेल्लाना चन्द्रशेखर:

श्री पी.वी. मिधुन रेड्डी:

श्री अदला प्रभाकर रेड्डी:

श्री मगुंटा श्रीनिवासुलू रेड्डी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2020 में भारत में आने वाले पर्यटकों की कुल संख्या कितनी है;

(ख) तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार और देश-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(घ) क्या सरकार का आंध्र प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार को सहायता प्रदान करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क): वर्ष 2020 में भारत में विदेशी पर्यटक आगमन की संख्या 2.68 मिलियन (अनंतिम) थी।

(ख): पर्यटन मंत्रालय राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विदेशी पर्यटक आगमन के आंकड़े संकलित नहीं करता है। इसके अतिरिक्त आप्रवासन ब्यूरो से वर्ष 2020 के दौरान भारत में देश-वार एफटीए के आंकड़े प्राप्त न होने के कारण वर्ष 2020 के दौरान एफटीए के देश-वार आंकड़े अभी तक संकलित नहीं किए गए हैं।

(ग): पर्यटन मंत्रालय एक संपूर्ण गंतव्य के रूप में भारत का संवर्धन करता है और विभिन्न राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों तथा उत्पादों के संवर्धन के लिए 'अतुल्य भारत' ब्रांड लाइन के तहत जारी अपने कार्यकलापों के भाग के रूप में वार्षिक रूप से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक तथा ऑनलाइन मीडिया अभियान जारी करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने अपने देश की समृद्ध विरासत और संस्कृति के बारे में नागरिकों में जागरूकता पैदा करने और घरेलू पर्यटन के संवर्धन के उद्देश्य से जनवरी 2020 में देखो अपना देश पहल शुरू की है। यह पहल माननीय प्रधानमंत्री महोदय द्वारा 15 अगस्त 2019 को दिए गए भाषण में देश के प्रत्येक नागरिक से वर्ष 2022 तक कम से कम देश के 15 गंतव्यों की यात्रा करने के अनुरोध के अनुसरण में है।

इस पहल के अंतर्गत यह मंत्रालय अपने देश और यहां के पर्यटन गंतव्यों/उत्पादों के बारे में जनता में जागरूकता पैदा करने के लिए वेबीनार, ऑनलाइन शपथ और क्विज जैसे संवर्धनात्मक कार्यकलाप कर रहा है। मंत्रालय के सोशल मीडिया अकाउंट तथा वेबसाइट पर और घरेलू भारत पर्यटन कार्यालयों द्वारा देखो अपना देश पहल का व्यापक रूप से प्रचार किया जा रहा है।

(घ): पर्यटन का विकास और अवसंरचना गुणवत्ता में सुधार मुख्य रूप से संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की जिम्मेदारी है। तथापि पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन, प्रसाद और केंद्रीय एजेंसियों को सहायता नामक अपनी योजनाओं के अंतर्गत पर्यटकों को बेहतर पर्यटन अनुभव प्रदान करने और इस प्रकार पर्यटन में वृद्धि करने के लिए पर्यटन संबंधी अवसंरचना एवं सुविधाओं के विकास हेतु आंध्र प्रदेश की राज्य सरकार सहित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों/केंद्रीय एजेंसियों को केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है। निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, योजना दिशा निर्देशों के अनुपालन और पहले जारी की गई निधियों की उपयोगिता की शर्त पर इन परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की जाती है।

इसके अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार (डीपीपीएच) योजना के अंतर्गत पर्यटन के संवर्धन के लिए मेलों और महोत्सवों के आयोजन तथा सेमिनार, कॉन्क्लेव और सम्मेलन आदि जैसे पर्यटन संबंधी समारोहों के आयोजन के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता देता है। आंध्र प्रदेश में पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

*****

अनुबंध

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आंध्र प्रदेश को सहायता के संबंध में दिनांक 15.03.2021 के लोक सभा लिखित प्रश्न सं. +3063 के भाग (घ) के उत्तर में **विवरण**

आंध्र प्रदेश में पर्यटन मंत्रालय के विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**योजना का नाम**	**परियोजना का नाम**	**परियोजना लागत**	**वर्ष**
1.	स्वदेश दर्शन	काकीनाडा - होप द्वीप - कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य - पासरलापुडी - अडुरु - एस यानम - कोटिपल्लींजुना में परिपथ का विकास	67.84	2014-15
2.	आतिथ्य योजना सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार (डीपीपीएच)	आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में फ्लेमिंगो फेस्टिवल 2015 के आयोजन के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता	0.10	2014-15
3.	आतिथ्य योजना सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार (डीपीपीएच)	अनंतपुर जिले में लेपाक्षी महोत्सव, 2014 के आयोजन के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता	0.10	2014-15
4.	आतिथ्य योजना सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार (डीपीपीएच)	आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में काकीनाडा बीच महोत्सव, 2015 के आयोजन के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता	0.10	2014-15
5.	स्वदेश दर्शन	नेल्लोर, पुलिकट झील, उबलंबादुगु जलप्रपात, नेलपट्टू पक्षी अभयारण्य, मायपदु बीच, रामतीर्थम का विकास	49.46	2015-16
6.	प्रशाद	अमरावती टाउन, गुंटूर जिले का पर्यटन स्थल के रूप में विकास	27.77	2015-16
7.	आतिथ्य योजना सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार (डीपीपीएच)	आंध्र प्रदेश के अमरावती, विजयवाड़ा, श्रीशैलम में कृष्ण पुष्करम -2016 के अवसर पर पर्यटन कार्यक्रमों के आयोजन के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता	0.25	2016-17
8.	स्वदेश दर्शन	बौद्ध परिपथ का विकास: स्वदेश दर्शन योजना के बौद्ध परिपथ थीम के तहत आंध्र प्रदेश में शालिहुंडम-थोटलाकोंडा- बाविकोंडा-बोजनाकोंडा- अमरावती- अनूपू	52.34	2017-18
9.	प्रशाद	श्रीशैलम मंदिर का विकास	47.45	2017-18
10.	केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के तहत स्वीकृत परियोजना	आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में साउंड एंड लाइट शो	7.09	2017-18

*****